Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

आजादी का अमृत महोत्सव

बिहार सरकार
कला, संस्कृति एवं युवा विभाग
Art, Culture & Youth Department Govt. of Bihar

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग

बिहार सरकार एवं

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार
क्षेत्रीय कार्यालय, पटना

द्वारा आयोजित

"नृत्य-नाट्य उत्सव"

दिनांक : 11.03.2022 से 13.03.2022 तक
समय : 06:00 बजे अपराह्न से प्रारंभ
स्थान : प्रेमचंद रंगशाला, राजेन्द्र नगर, पटना

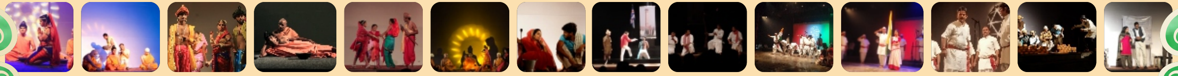

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं
भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् विदेश मंत्रालय, भारत सरकार
क्षेत्रीय कार्यालय, पटना

के आपसी समन्वय से आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ''आज़ादी का अमृत महोत्सव'' के तहत स्वाधीनता संग्राम में अतुल्य योगदान देने वाले देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित तीन दिवसीय 'नृत्य नाट्य उत्सव' पर आयोजित कार्यक्रम।

दिनांक	सांस्कृतिक कार्यक्रम	नाटक का नाम	विवरण
11.03.2022 शुक्रवार	श्री अभिषेक पाठक का सूफी गायन तथा गजल	**अतीत के वातायन** नाट्य दल प्रांगण	इसमें स्वतंत्रता संग्राम में बिहार प्रदेश की भागीदारी दर्शायी गयी है। संथाल विद्रोह, सिपाही विद्रोह आदि की चर्चा के साथ–साथ भोजपुर के कुँवर सिंह के आत्मोत्सर्ग की उपकथा दिखलायी गयी है, बंगाल का बंटवारा, स्वदेशी आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह से लेकर खुदीराम बोस जैसे बिहार के स्वतंत्रता सेनानी एवं रणबांकुरों की कहानी दिखलाई गयी है।
12.03.2022 शनिवार	श्री रामकृष्ण सिंह द्वारा लोकगीत	**सात दीवाने 11 अगस्त 1942** नाट्य दल प्रयास	नाटक सात शहीदों के जीवन पर आधारित है। जिन्होंने 11 अगस्त 1942 को पटना सचिवालय के सामने भारत छोड़ो आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के योगदान का प्रतीक है।
13.03.2022 रविवार	संगीतम संस्था द्वारा लोकनृत्य	**अस्थि कलश** नाट्य दल फाउंडेशन फॉर आर्ट, कल्चर, एथिक्स एण्ड साईंस	पटना संग्रहालय में प्रदर्शित एवं 1958 में वैशाली से डॉ. ए. एस. अल्तेकर द्वारा उत्खनित भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष की, पांचवीं शताब्दी ईसा–पूर्व से बीसवीं शताब्दी तक की, काल–यात्रा की कहानी। भारत में सार्वजनिक पुरातत्व–विज्ञान विषय का पहला नाटक।

इस अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

–: विनीत :–

ताविशी बहल पांडेय (भा.वि.से.)
क्षेत्रीय निदेशक
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद, बिहार, झारखंड

वन्दना प्रेयसी (भा.प्र.से.)
सचिव
कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार